

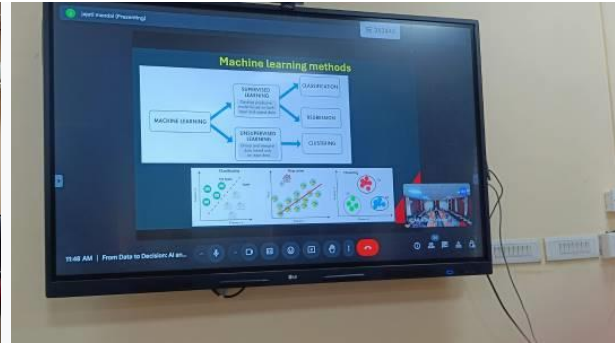
अटारी, कोलकाता द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग पर संगोष्ठी आयोजित

8 नवंबर, 2024, कोलकाता

भाकृअनुप- कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी), कोलकाता ने कृषि विज्ञान केंद्र प्रणाली में उत्प्रेरित परिवर्तन लाने के लिए शुरू की गई संगोष्ठी श्रृंखला के तहत डेटा से निर्णय तक: प्रभावी कृषि सलाहकार उपकरणों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग पर एक संगोष्ठी आज हाइब्रिड मोड में आयोजन किया। अटारी कोलकाता के वैज्ञानिकों के अलावा ओडिशा, पश्चिम बंगाल और अंडमान व नोकोबार द्वीप समूह के कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

संस्थान के निदेशक एवं संगोष्ठी श्रृंखला के संयोजक डॉ. प्रदीप डे ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग कृषि क्षेत्र में क्रांति ला सकती हैं। उन्होंने बताया कि इस तकनीकी प्रगति का लाभ उठाकर हमारे किसान जल संरक्षण, उर्वरक प्रबंधन, और रोग व कीट प्रबंधन के बेहतर उपाय अपना सकते हैं। डॉ. डे ने कहा कि आइए, हम सब मिलकर इस नवाचार को अपनाने का संकल्प लें और ई-एग्रो एडवाइजरी सेवाओं के माध्यम से कृषि विज्ञान केंद्र किसानों तक सटीक और कस्टमाइज्ड जानकारी पहुंचाकर भारतीय कृषि को नई ऊंचाइयों तक ले जाएं।

मुख्य वक्ता डॉ. जजाति मंडल, स्कूल ऑफ साइंस इंजीनियरिंग एंड एनवायरनमेंट, सैलफोर्ड विश्वविद्यालय, मैनचेस्टर, यूनाइटेड किंगडम ने कृषि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग के वैश्विक परिदृश्य को चित्रित करते हुए इन तकनीकों के माध्यम से किसानों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में बढ़ने की संभावनाओं पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि ये आधुनिक तकनीकें सटीक और समय पर निर्णय लेने में सहायक हैं, जिससे किसान अधिक लाभकारी और टिकाऊ कृषि प्रथाओं को अपना सकते हैं। साथ ही, उन्होंने इन तकनीक पर ज्ञान और जागरूकता को बढ़ाने पर भी जोर दिया।



डॉ. पी.पी. पाल, प्रधान वैज्ञानिक ने कार्यक्रम का संचालन किया। प्रश्नोत्तरी सत्र के दौरान प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान भी किया गया। बैठक में संस्थान के सभी वैज्ञानिकों और क्षेत्र के कृषि विज्ञान केंद्र प्रमुखों तथा वैज्ञानिकों ने भाग लिया।